बड़े लोगों का बचपन - डैग हैमरस्कजॉल्ड - शांति दूत

झील के किनारे महल में.

डैग हैमरस्कजॉल्ड को अपने पिता के शब्द हमेशा याद रहे.

1905 में एक शरद ऋतु वाले दिन एक खुशहाल परिवार ने अपने सबसे छोटे बेटे, डैग का नामकरण करने के बाद स्वीडन के जोंकोपिंग के चर्च को छोड़ा. बच्चे के पिता - हज्लमार हम्मार्स्कजॉल्ड, स्वीडिश सरकार में संस्कृति के मंत्री थे.

डैग का नामकरण दो महीने पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन उनके पिता को एक शांति-संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए भेजा गया था जो स्वीडन ने अभी-अभी नॉर्वे के साथ की थी. जब नामकरण हुआ, तो उपहार में एक चांदी का प्याला शामिल मिला जिस पर "बिना नाम के बहुत लंबे व्यक्ति के लिए" खुदा हुआ था. वो तोहफा एक अन्य स्वीडिश राजनेता ने दिया था जो नॉर्वे में मिस्टर हैमरस्कजॉल्ड के साथ रहे थे. छह महीने के होने से पहले ही, डैग हैमरस्कजॉल्ड का जीवन, विश्व मामलों से प्रभावित हो गया!

जब डैग दो साल के हुए, तब उनके पिता स्वीडन के एक बड़े प्रांत अपप्लैंड के गवर्नर बने. परिवार राजधानी उप्साला, में चला गया, और गवर्नर के महल में रहने लगा, जो बढ़िया फर्नीचर और चित्रों से भरी और समृद्ध रूप से सजाई गई एक हवेली थी. वहां का बड़ा पुस्तकालय डैग के पसंदीदा कमरा बन गया.

डैग और उनके तीन भाइयों का राज्यपाल के पुत्रों के रूप में सुखी जीवन बीता. समय के साथ वे उप्साला में स्कूल गए, जहाँ कम उम्र से ही डैग ने दिखाया कि वह उत्कृष्ट रूप से चतुर थे. छुट्टियों में वे अक्सर अपने परिवार के घर जाते थे - जो वैटर्न झील के तट पर बना एक बड़ा और प्राचीन महल था.

डैग को वो एक जादुई जगह लगती थी. मोटी पत्थर की दीवारों को कवच, हथियारों और सभी प्रकार के बैनरों से सजाया गया था, और वहां वो अपने भाइयों से उन उत्तेजक युद्धों की कहानियां सुनना पसंद करते थे जो उनके पूर्वजों ने स्वीडन के लिए बहुत पहले लड़ी थीं.

जब, 17वीं शताब्दी में, उनके एक पूर्वज को राजा द्वारा नाइट की उपाधि दी गई थी, तो उन्होंने परिवार को ढाल पर बना एक हथौड़ा और हम्मार्स्कजॉल्ड नाम दिया था (अंग्रेजी में इसका अर्थ हैमरशील्ड है).

सभी लड़कों को वैटर्न झील जाना बहुत पसंद था. गर्मियों में झील के चारों ओर तैराकी, नौकायन और अद्भुत खेल होते थे. सर्दियों में वे स्की और स्केट कर सकते थे.

डैग हैमरस्कजॉल्ड – संयुक्त राष्ट्र के महासचिव.

युद्ध रोमांचक लग रहा था.

युवा डैग ने राजनेताओं से बातें करते हुए.

हालांकि डैग इन सभी खेलों में भाग लेते थे और उनमें अच्छे थे, फिर भी वो अकेले और गंभीर विचारों वाले थे.

उनकी मां ने डैग को पढ़ने और नई रुचियां विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्हें संगीत, कविता, चित्रकला, प्राणीशास्त्र और वनस्पति विज्ञान से प्यार हो गया. वो उप्साला के आसपास घंटों भटकते थे और उस दिन की आस देखते थे जब वो वहां के विश्वविद्यालय में जा सकेंगे. स्कूल छोड़ने से पहले वो धाराप्रवाह फ्रेंच, जर्मन और अंग्रेजी बोल सकते थे और बड़े होकर वो एक शिक्षक बनना चाहते थे.

1914 में उनका वो शांत जीवन एकदम हिल गया. डैग के पिता को प्रधान मंत्री बनाया गया, और उसके कुछ महीने बाद प्रथम विश्व युद्ध छिड़ गया. यह तय करने में उनका एक बड़ा रोल था कि क्या स्वीडन को उस लड़ाई में शामिल होना चाहिए या नहीं.

डैग, अपनी उम्र के अन्य लड़कों की तरह, युद्ध को रोमांचक मानते थे. अन्य लड़कों की तरह, वो एक खिलौने वाली तलवार और हेलमेट के साथ सैनिकों का खेल खेलते थे. वो भूल गए थे कि स्वीडन में लगभग 100 वर्षों से शांति कायम रही थी. जब स्वीडन ने लड़ाई न करने का फैसला किया, तो डैग उस बात को समझ नहीं पाए, खासकर जब उनके 300 जहाजों को विदेशी पनडुब्बियों ने डुबो दिया था.

"हम क्यों नहीं लड़ते?" उन्होंने अपने पिता से पूछा. और उनके पिता ने उत्तर दिया, "पहले से ही हजारों जानें जा रही हैं. हम नहीं चाहते कि और जीवन बर्बाद हों, बल्कि हम उस दिन की ओर काम कर रहे हैं जब सारी दुनिया में अमन और शांति कायम होगी." डैग अपने पिता के उन शब्दों को कभी नहीं भूले. उन्होंने निश्चय किया कि वो भी अपने पिता की तरह एक राजनेता और शांतिप्रिय व्यक्ति बनेंगे.

युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया गया, और सभी को उम्मीद थी कि यूएन UN युद्ध को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा. मिस्टर हैमरस्कजॉल्ड ने अब तक प्रधान मंत्री के रूप में अपनी नौकरी छोड़ दी थी, लेकिन वो अभी भी राजनयिक मामलों में बहुत रुचि रखते थे. डैग अब गवर्नर के महल में अकेले लड़के बचे थे. वो बड़े-बड़े राजनेताओं के बीच खाने की मेज पर चलने वाली बातचीत और बहस को बड़े ध्यान से सुनते थे.

अंत में, वो उप्साला में अपने प्रिय विश्वविद्यालय में पढ़ने गए, जहाँ उन्होंने फ्रेंच, साहित्य का इतिहास और दर्शन का अध्ययन किया. बाद में उन्होंने अर्थशास्त्र और कानून में भी डिग्री ली. वो काफी समय से यह तैयारी कर रहे थे, हालांकि वो उस बात को जानते नहीं थे. वो खुद को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक के लिए - राष्ट्रों के बीच शांति बनाए रखने के लिए तैयार कर रहे थे.

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संगठन का गठन हुआ, तब डैग हैमरस्कजॉल्ड को उसका पहला महासचिव बनाया गया. उन्होंने अपने पिता की बात को याद रखा और विश्व शांति के लिए अपनी पूरी ताकत से काम किया. 1961 में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन पर उत्तरी रोडेशिया के ऊपर एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई.